

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2011

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-1

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-1 (अष्टकवर्ग)

1. निम्नांकित कुण्डली के लिए सूर्य तथा बृहस्पति का प्रस्तारक तथा निम्नाष्टक वर्ग बनायें:-
जन्म 02 जुलाई 1963, 22:55 बजे, अमृतसर, बृहस्पति शेष 04 वर्ष 10 माह 10 दिन
लग्न-कुम्भ 16:21, सूर्य-मिथुन 16:46, चन्द्र-तुला 29:17, मंगल-सिंह 22:23, बुध-मिथुन 03:52, बृहस्पति-मीन 23:53, शुक्र-मिथुन 00:52, शनि(व)-मकर 29:05, राहु-मिथुन 27:08, केतु-धनु 27:08
2. अष्टकवर्ग से आप क्या समझते हैं? इस विशिष्ट पद्धति का उपयोग कहाँ कहाँ पर किया जाता है?
3. (क) निम्नलिखित कथन सत्य हैं या असत्य उत्तर दें।
(अ) पहले एकाधिपत्य शोधन किया जाता है, तत्पश्चात् त्रिकोण शोधन करते हैं।
(आ) त्रिकोण शोधन में त्रिकोणिय समूह के बिन्दु असमान होने पर अधिकतम को तीनों से घटाया जाता है।
(इ) एकाधिपत्य शोधन में ग्रह स्वामी की दोनों राशियों में ग्रह पड़ने पर शोधन की आवश्यकता नहीं होती।
(ई) त्रिकोण शोधन में त्रिकोणिय समूह पर बिन्दु समान होने पर शोधन की आवश्यकता नहीं होती।
(उ) एकाधिपत्य शोधन में यदि दोनों राशियों में कोई ग्रह नहीं है तथा बिन्दुओं के असमान होने पर बड़े वाले को छोटे के बराबर कर देते हैं।
(ख) कक्षा से आप क्या समझते हैं? इसके क्या उपयोग हैं?
4. निम्नांकित जन्मांक के सर्वाष्टक बिन्दु इस प्रकार हैं :-
जन्म 04 मार्च 1961, समय 08:07 बजे, स्थान-कलकत्ता, सूर्य शेष-01वर्ष 02मा 12दि
लग्न-कुम्भ 01:52, सूर्य-कुम्भ 19:59, चन्द्र-कन्या 07:20, मंगल-मिथुन 10:23, बुध(व)-कुम्भ 01:29, बृहस्पति-मकर 04:34, शुक्र-मेष 00:49, शनि-मकर 03:11, राहु-सिंह 12:56, केतु-कुम्भ 12:56
सर्वाष्टक (i)-30, (ii)-22, (iii)-30, (iv)-34, (v)-23, (vi)-30, (vii)-24, (viii)-36, (ix)-30, (x)-25, (xi)-32, (xii)-21
उपरोक्त सर्वाष्टक के आधार पर इन प्रश्नों का उत्तर दें :-
(क) उपरोक्त जातक की कौन सी अवस्था सुखमय होगी? (बाल अवस्था, युवावस्था, वृद्धावस्था)
(ख) लगभग किस आयु में जातक शनि के दुष्टभाव के परिणाम स्वरूप जीवन की कठिनाईयों का सामना करेगा।
(ग) आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा या कम होगा?

(घ) क्या परिश्रम की तुलना में जातक की आय सही है?

(ङ) जातक अथवा पत्नी, किसका वर्चस्व होगा?

5. अष्टक वर्ग का निर्माण राशि कुण्डली के आधार पर करना चाहिए या भाव कुण्डली? व्याख्या करें।

भाग-II (प्रश्न ज्योतिष)

6. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

(क) प्रश्न ज्योतिष के क्या सिद्धान्त हैं?

(ख) क्या प्रश्न कुण्डली और जन्म कुण्डली में कोई संबंध है?

(ग) प्रश्न कुण्डली में लग्न राशि की गतिशीलता का क्या महत्व है?

(घ) क्या प्रश्न कुण्डली पर ही आश्रित रहा जा सकता है? प्रश्न कुण्डली का अध्ययन करना आवश्यक क्यों है?

7. प्रश्न ज्योतिष के अनुरूप निम्न प्रश्नों का उपयुक्त तथा अनुपयुक्त दोनों ग्रह स्थितियों के योग का वर्णन करें :-

(क) क्या इसी वर्ष विवाह हो सकता है?

(ख) क्या इसी वर्ष विदेश भ्रमण होगा?

(ग) क्या इसी वर्ष कार का मालिक बनेगा?

(घ) क्या इसी वर्ष निवास स्थान बदलेगा?

(ङ) क्या इसी वर्ष नौकरी में पदोन्नति होगी?

8. (क) दिनांक 06 जून 2011 को सांय 05:30 बजे दिल्ली से किसी प्रश्नकर्ता ने ज्योतिषी से पूछा कि उसके पदोन्नति का मामला विचाराधीन है परन्तु उसे विरोधों का भी सामना करना पड़ रहा है। वह जानना चाहता है, कि क्या उसकी पदोन्नति होगी? यदि हाँ तो इसमें कितना वक्त लगेगा?

प्रश्न कुण्डली इस प्रकार है -

लग्न-तुला 29:30, सूर्य-वृषभ 21:26, चंद्र-कर्क 17:50, मंगल-मेष 25:25, बुध-वृषभ 13:33, बृहस्पति-मेष 06:22, शुक्र-वृषभ 02:12, शनि(व)-कन्या 16:28, राहु-वृश्चिक 29:25, केतु-वृषभ 29:25

(ख) ज्योतिष के प्रश्न शास्त्र की सीमाओं का वर्णन करें।

9. (क) प्रश्न ज्योतिष में प्रश्न की असफलता का विस्तार से वर्णन करें।

(ख) क्या अगले शुक्रवार को फैसला होने वाले दीवानी मुकदमें में मेरी जीत होगी? इस प्रश्न को दिल्ली से दिनांक 08 अगस्त 2011 को प्रातः 11.00 बजे पूछा गया। कारण बताते हुए इस प्रश्न का उत्तर दें। प्रश्न कुण्डली इस प्रकार है :-

लग्न-कन्या 28:53, सूर्य-कर्क 21:20, चंद्र-वृश्चिक 14:03, मंगल-मिथुन 09:12, बुध(व)-सिंह 06:03, बृहस्पति मेष 15:32, शुक्र-कर्क 09:03, शनि-कन्या 18:54, राहु-वृश्चिक 28:10, केतु-वृषभ 28:10

10. एक उदाहरण देते हुए प्रश्न ज्योतिष में निम्नलिखित योगों की व्याख्या करें।

1. कम्बूल योग

2. मणऊ योग

3. राशियांत इत्थसाल योग

4. रद्द योग

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2011

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य है। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (षडबल)

1. निम्नलिखित कुण्डली के आधार पर उच्च बल की गणना करें।
जन्मतिथि- (29.2.1896) समय 12:58 बजे, स्थान बिलिमोरा
लग्न-मिथुन 03:14, सूर्य-कुम्भ 17:51, चंद्र-सिंह 24:47, मंगल-मकर 05:14, बुध-मकर 21:16, बृहस्पति(व)-मकर 07:39,
शुक्र-मकर 14:33, शनि(व)-तुला 26:42, राहु-कुम्भ 11:16
2. (क) अहर्गण तथा सृष्टियादि अहर्गण से आप क्या समझते हैं?
(ख) अब्दाधिपति, मासाधिपति तथा वाराधिपति के क्या मतलब हैं?
(ग) बुधवार के दिन सूर्योदय के 21 घंटे बाद जन्में जातक का होराधिपति ज्ञात करें।
3. प्रश्न क्रमांक एक में दिए गए कुण्डली के लिए केन्द्र तथा देष्काण बल ज्ञात करें।
4. (क) इष्ट तथा कष्ट फल की गणना कैसे की जाती है?
(ख) इष्ट तथा कष्ट फल की सहायता से विभिन्न दशा/युक्ति कालों में घटनाओं का प्रतिपादन कैसे करेंगे?
5. किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
(क) षडबल का महत्व
(ख) भाव बल
(ग) सप्तवर्गज बल
(घ) नैसर्गिक बल
(ङ) पक्ष बल

भाग-II (भाव निर्णय)

6. उदाहरण के साथ किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
(क) भावात् भावम् नियम
(ख) लग्न कुण्डली तथा भाव कुण्डली में अंतर बतायें? भाव कुण्डली के क्या महत्व हैं?
(ग) योग कैसे और कब फलीभूत होता है।
7. नीचे दिए कुण्डली में सप्तांश तथा होरा कुण्डली का अध्ययन किस प्रकार करेंगे?
लग्न-वृषभ 03:44, सूर्य-तुला 22:40, चंद्र-मिथुन 10:57, मंगल(व)-मीन 18:03, बुध-तुला 04:20, बृहस्पति-वृष 27:00, शुक्र-धनु 09:14, शनि-वृष 02:46, राहु-सिंह 27:59, केतु-कुम्भ 27:59
8. किसी जन्मांग में निम्न घटनाओं को किस प्रकार देखेंगे

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2011

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-III

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (आयुर्दाय)

1. निम्नलिखित में से दीर्घायु, मध्यायु तथा अल्पायु के योग बताइए :-
(अ) लग्नेश अथवा अष्टमेश में खली पंचम भाव में है।
(आ) षष्ठमेश, षष्ठम भाव में होने पर।
(इ) शुक्र, बृहस्पति एवं बुध ग्यारहवें भाग में होने पर।
(ई) बृहस्पति छठें भाग में शुक्र-अष्टम भाव तथा बुध-सप्तम भाग में होने पर।
(उ) शनि-सिंह में तथा सूर्य-मकर में होने पर।
(ऊ) शुभ ग्रह त्रिकोण व केन्द्र में तथा पापी ग्रह अष्टम भाव में होने पर।
(ए) लग्न और चंद्र पर शुभ ग्रहों की दृष्टि हो।
(ऐ) शुक्र-लग्न में बृहस्पति केन्द्र पर तथा शनि नवम में होने पर।
(ओ) बृहस्पति लग्न और चंद्र तथा राहु सप्तम भाव में होने पर।
(औ) अष्टमेश अष्टम भाव में होने पर।
2. (क) बालरिष्ट के पांच योग तथा बालरिष्ट भंग होने के पांच योगों की व्याख्या करें।
(ख) निम्नलिखित कुण्डली का अध्ययन करके यह बतायें क्या यह कुण्डली अल्पायु की है? यदि हाँ तो जातक की आयु सीमा का अनुमान लगायें।
जन्म 02 नवम्बर 1935, शुक्र शेष- 8वर्ष 03 माह 18 दिन
लग्न-तुला 06:00, सूर्य-तुला 15:43, चंद्र-धनु 21:08, मंगल-धनु 10:14
बुध(व)-कन्या 27:00, बृहस्पति-वृश्चिक 05:32, शुक्र-कन्या 00:08,
शनि-कुम्भ 10:38, राहु-धनु 23:04, केतु-मिथुन 23:04
3. निम्नलिखित जन्म लग्न के अनुसार पिण्डायु की गणना करें।
जन्म 11 फरवरी 1959, समय 14:42 बजे, स्थान दिल्ली, शनि शेष 8व,
10 मा 18 दि
लग्न-मिथुन 15:23, सूर्य-मकर 28:37, चंद्र-मीन 10:26, मंगल-वृषभ 07:04
बुध-मकर 26:27, बृहस्पति-वृश्चिक 06:48, शुक्र-कुम्भ 20:31, शनि-धनु
10:36, राहु-कन्या 20:54, केतु-मीन 20:54
4. किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दें।
(क) मारक ग्रह से क्या अभिप्राय है? क्रमवार मारकों का वर्णन करें।
(ख) मेष, सिंह तथा धनु लग्नों के लिए मृत्युदायक ग्रह कौन से हैं?
(ग) आयु गणना के लिए पिण्डायु, अंशायु तथा निसर्गायु का प्रयोग किन परिस्थितियों में किया जाता है?
5. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-

- (क) पदोन्नति (ख) सन्तान का जन्म
(ग) भूमि खरीदना (घ) उत्तम शिक्षा (ङ) विदेश में बसना
9. (क) उदाहरण सहित कारको भाव नाशाय के नियम को समझाएँ।
(ख) उदाहरण सहित केन्द्र अधिपत्य दोष के नियम को समझाएँ।
10. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर दशम भाव पर चर्चा करें। क्या जातक ने व्यवसाय में ऊँचाईयों को छुआ होगा। कारण सहित समझाएँ।
जन्म 12.07.1960, समय 06.05 स्थान शाँहजापुर (उ.प्र.)
दशा शेष राहू 12 व 1 मा 8 दि
लग्न-कर्क 04:38, सूर्य-मिथुन 26:21, चंद्र-कुम्भ 11:02 मंगल-मेष 02:13,
बुध(व)-कर्क 04:20, बृहस्पति(व)-धनु 02:47, शुक्र-कर्क 01:42, शनि(व)-
धनु 21:28, राहू-सिंह 23:46, केतु-कुम्भ 23:46

(क) दिन मृत्यु (ख) गंडांत (ग) विषघटी काल (घ) छिद्र दशा

भाग-II (चिकित्सा ज्योतिष)

6. निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य?
- (अ) शुक्र कैंसर का कारक है।
 - (ब) काल पुरुष कुण्डली में तुला बाह्य जननांग को दर्शाता है।
 - (स) ग्यारहवें भाव का प्रथम द्रेष्काण दाहिने कान को दर्शाता है।
 - (द) बुध अस्थमा रोग का परिचायक है।
 - (ड) बृहस्पति चिड़चिड़े प्रवृत्ति को दर्शाता है।
 - (फ) चंद्र से 64 वें नवांश को अत्यंत शुभ माना जाता है।
 - (ग) अग्नि राशियाँ बीमारियों के लिए अधिक प्रतिरोधक क्षमता दर्शाती है।
 - ह) वृश्चिक में अष्टम भाव में केतु पाए जाने पर अर्श रोग दर्शाता है।
 - (इ) बृहस्पति रक्त विकार का परिचायक है।
 - (ज) शुक्र पेडू दर्शाता है।
7. 4, 8, 9 तथा 12 भाव जन्मांग में किन किन अंगों को दर्शाते हैं? ये किस ग्रह के अंतर्गत आते हैं?
8. निम्न रोग किन ग्रह योगों के कारण होते हैं?
- (क) हृदय रोग (ख) पागलपन
 - (ग) अस्थमा (घ) अंधापन
9. निम्नलिखित कुण्डली का अध्ययन कर बतायें कि क्या यह अपेन्डिइटिज (उण्डुक-सोथ) को इंगित करता है? यदि हां तो इसके ज्योतिषीय कारकों की व्याख्या करें। क्या आप रोग का समय निश्चित कर सकते हैं।
- जन्म 3 अक्टूबर 1982, समय 16:56 बजे, स्थान-चंडीगढ़
- बुध शेष 10 वर्ष 07 माह 00 दिन
- लग्न-कुम्भ 22:00, सूर्य-कन्या 16:19, चन्द्र-मीन 21:42, मंगल-वृश्चिक 15:42, बुध(व)-कन्या 13:41, बृहस्पति-तुला 18:27, शुक्र-कन्या 08:09, शनि-कन्या 29:42, राहु-मिथुन 15:02, केतु-धनु 15:02
10. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें :-
- (क) गठिया रोग के ज्योतिषीय कारक
 - (ख) 22 वें द्रेष्काण का स्वामी
 - (ग) जन्मजात बीमारियों के ज्योतिषीय कारण

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2011

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-IV

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्नलिखित कुण्डली का अध्ययन कर दिए गए प्रश्नों का उत्तर दें :-
जन्म 8 सितम्बर 1965, समय : 1.45 बजे, स्थान - नई दिल्ली
लग्न-मिथुन 25:40, सूर्य-सिंह 21:36, चन्द्र-मकर 16:51, मंगल-तुला 18:30, बुध-सिंह 05:15, बृहस्पति-मिथुन 5:11, शुक्र-कन्या 29:35, शनि(व)-कुम्भ 20:22, राहु-वृषभ 15:31
(क) उपरोक्त जन्मांग के जातक के लिए राहु महादशा में फलों का वर्णन करें।
(ख) राहु में सूर्य की अंतर्दशा में जातक के व्यवसाय में होने वाले परिवर्तन का उल्लेख करें।
2. (क) निम्नलिखित कुण्डली के लिए योगिनी दशा तथा अंतर्दशा क्रम की गणना करें।
जन्म 07 नवम्बर 1936, समय 14:00 बजे, स्थान-आगरा (यू.पी.)
लग्न-कुम्भ 12:24, सूर्य-तुला 21:47, चन्द्र-सिंह 06:45, मंगल-कन्या 02:39, बुध-तुला 15:05, बृहस्पति-धनु 01:42, शुक्र-वृश्चिक 25:32, शनि(व)-कुम्भ 22:55, राहु-धनु 2:11
विशोत्तरी दशा शेष - केतु 3 वर्ष, 4 माह, 26 दिन
(ख) जातक एक दुर्घटना का शिकार हुआ और शिक्षा में रुकावट आई यह घटना शुक्र/शनि व शुक्र/बुध में हुई। इसका ज्योतिषिय विवेचना करें।
3. (क) घटनाक्रम के समय प्रत्यान्तर दशा स्वामी की भूमिका का वर्णन करें।
(ख) जन्म कुण्डली में आप संतान उत्पत्ति के समय का निर्धारण कैसे करेंगे? एक उदाहरण के साथ व्याख्या करें।
4. शनि में शुक्र अंतर्दशा में जब वे एक दूसरे के केन्द्र में स्थापित होंगे। तो क्या फल होंगे?
5. किन्हीं दो के लिए समय का निर्धारण कैसे करेंगे?
(क) निवास स्थान में परिवर्तन/स्वयं का आवास खरीदना
(ख) शिक्षा/नौकरी के लिए विदेश प्रस्थान
(ग) संतानोत्पत्ति

भाग-II (गोचर)

6. घटनाओं के समय का निर्धारण गोचर किस प्रकार सहायक है? गोचर परिणाम की रूपरेखा बनाते समय लग्न का क्या महत्त्व है?
7. वेध क्या है? किन स्थितियों में वेध होता है? फलित में इसकी महत्ता विस्तार से बतायें।
8. मई 2011 में बृहस्पति ने मेष राशि में प्रवेश किया, जब चंद्रमा पुनर्वसु के प्रथम चरण में गोचर कर रहा था। इस स्थिति में सभी बारह राशियों के लिए मूर्ति निर्णय ज्ञात करें।
9. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
(क) गोचर में कक्षा के नियम (ख) वक्री ग्रहों के फल
(ग) द्विग्रह गोचर का विवाह में प्रयोग
10. शनि व बृहस्पति के उदाहरण सहित पर्याय फलों पर विस्तार से लिखें।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2011

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। हर एक भाग में से अनिवार्य प्रश्नों के अलावा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग एक का उत्तर जैमिनीय आधार पर एवं भाग दो पराशरी सिद्धांत के अनुसार उत्तर देना है।

भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

1. कारकांश से द्वितीय व चतुर्थ भाव में स्थित के विभिन्न ग्रहों के फलों का विवरण दें।
2. अर्गला कुण्डली बनाकर सभी बारह भावों पद लग्न ज्ञात करें।
लग्न-वृषभ 20:11, सूर्य-कर्क 14:08, चन्द्र-कन्या 21:26, मंगल-मिथुन 11:56, बुध-कर्क 18:32, गुरु(व)-मकर 02:46, शुक्र-सिंह 11:54, शनि-सिंह 12:17, राहु-मीन 26:16, केतु-कन्या 26:16
जन्म 31.7.1949, 1:12 प्रातः, कोलकता, दशा: शेष-चन्द्रमा,
1व 5मा 5दि, पुरुष जातक
3. प्रश्न 2 में दिए जन्मांग के लिए चर दशा ज्ञात करें व वर्ष 2011 में घटित कोई दो मुख्य घटनाओं के बार में बताएं।
4. निम्न पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखें :
 - i) ज्ञाति कारक की भूमिका
 - ii) ग्रह के बल की गणना की विधि
 - iii) उपपद व वैवाहिक जीवन
 - iv) आयुर्दय में कक्षा हास
5. निम्न सत्य है या असत्य :
 - i) आत्मकारक से केन्द्रस्थ ग्रह अधिकतम बली होते हैं।
 - ii) भातृकारक से इष्ट देव को ज्ञात करते हैं।
 - iii) उपपद से द्वितीयस्थ उच्च ग्रह दर्शाता है कि पत्नी किसी कुलीन परिवार से होगी।
 - iv) आरुढ़ लग्न से पंचम में सूर्य से दृष्ट राहु नेत्रों पर खतरा दर्शाता है।
 - v) यदि चन्द्र व शुक्र परस्पर दृष्ट हो तो जातक के पास अनेक वाहन होते हैं।
 - vi) यदि आत्मकारक धनु नवांश में होतो जातक के जीवन में अनेक दुर्घटनाएं होती है।
 - vii) बृहस्पति दादी व दादी का कारक हैं।
 - viii) एक से अधिक अशुभ ग्रहों द्वारा तृतीय भाव में अर्गल बनाए तो कोई परिहार नहीं है।
 - ix) यदि मंगल व केतु वृश्चिक राशि में हो तभी वृश्चिक की 12 वर्ष की चर दशा होती है।
 - x) चर राशि की 7 वर्ष की स्थिर दशा होती है।

भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. विवाह के समय निर्धारण की विधि की विस्तार से चर्चा करें व निम्न जातक के विवाह के समय का निर्धारण करें :-
जन्म-18.5.1983, 16:10 बजे, दिल्ली, पुरुष जातक
दशा शेष - बुध-15 व 2 मा 20 दि

लग्न-कन्या 26:22, सूर्य-वृषभ 3:19, चन्द्र-कर्क 18:04, मंगल-वृषभ 7:29
बुध(व)-मेष 24:33, बृहस्पति(व)-वृश्चिक 13:38, शुक्र-मिथुन 16:23,
शनि(व)-तुला 5:35, राहु-मिथुन 1:44, केतु-धनु 1:44

7. (क) विवाह के विलम्ब के पाँच योग बताएं।
(ख) जल्द विवाह के पाँच योग बताएं।
8. (क) जन्म नक्षत्र मेलापक के अतिरिक्त जन्म कुण्डली मिलान के लिए अन्य महत्वपूर्ण तथ्य क्या हैं?
(ख) जन्म कुण्डली मिलान के लिए नीचे दिये तथ्यों के अपवादों का वर्णन करें।
i) यदि पुरुष तथा महिला, दोनों जातकों की दशा समान हो?
ii) पुरुष जातक की कुण्डली में मंगल दोष पाये जाने पर?
iii) यदि जन्म राशि में 6:8 संबंध हो?
iv) यदि महिला जातक के नक्षत्र से पुरुष जातक का नक्षत्र चौथे हो?
9. नीचे दिए महिला जातक का वैवाहिक जीवन के बारे में कारण बताते हुए वर्णन करें।

जन्म: 20.8.1983, समय 21:20 बजे, स्थान : दिल्ली

महिला, दशा शेष: रवि 3 वर्ष 12 माह 1 दिन

लग्न-मीन 24:56, सूर्य-सिंह 3:26, चन्द्र-मकर 1:8, मंगल-कर्क 10:52;
बुध-कन्या 0:45, बृहस्पति-वृश्चिक 8:12, शुक्र(व)-सिंह 10:33, शनि-तुला
6:5, राहु-वृषभ 29:35, केतु-वृश्चिक 29:35

10. निम्नलिखित में से किसी एक का वर्णन करें।

(क) सातों ग्रहों में से किसी एक के सप्तमेश का प्रभाव
अथवा

(ख) द्वादश भावों में सप्तमेश के पड़ने का प्रभाव

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2011

प्रश्न पत्र-VI

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (फलादेश की मिश्रित एवं उच्च तकनीक)

1. नीचे दिये कुण्डली का अध्ययन कर प्रश्नों का उत्तर दें।
(क) क्या जातक को जीविका (व्यवसाय) में कठिनाइयों का सामना करना होगा।
(ख) क्या उसका वैवाहिक संबंध मधुर होगा?
जन्म 07.4.1947, समय 07:59 बजे, तिरुपति (आ.प्र.)
जन्म में राहु 12 वर्ष 3 माह 3 दिन, पुरुष
मेष लग्न-24:48, मीन में सूर्य 23:20, तुला में चंद्र 10:55, मीन में मंगल 3:6, कुम्भ में बुध 25:39, वृश्चिक में बृहस्पति(व) 3:35, कुम्भ में शुक्र 15:23, कर्क में शनि 8:50, वृषभ में राहु 10:13 तथा वृश्चिक में केतु 10:13
2. निम्नलिखित के लिए पांच ज्योतिषीय योग का वर्णन करें।
(क) उच्च श्रेणी की शिक्षा (ख) पैतृक संपत्ति का आनन्द (ग) विदेश भ्रमण
3. नीचे दिए कुण्डली के लिए दशांश तथा द्वादशांश कुण्डली की रचना कर दशांशों के जातक नौकरी करता है या व्यापार तथा माता पिता के साथ उसके संबंध कैसे है?
जन्म 24.3.1959, समय 8:20 बजे, स्थान मेरठ, जन्म में सूर्य दशा : 4 वर्ष 8 माह 8 दिन, लग्न:मेष 19:3, मीन में सूर्य 9:26, सिंह में चन्द्र 29:36, वृषभ में मंगल 27:12, मीन में बुध(व) 18:32, वृश्चिक में बृहस्पति 8:39, मेष में शुक्र 10:36, धनु में शनि 13:19, कन्या में राहु 19:46, मीन में केतु 19:46
4. नीचे दिए गई कुण्डली का अध्ययन कर ज्योतिषीय तर्कों के द्वारा किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दें।
(क) क्या जातक मंत्री बन सकता है?
(ख) क्या उसे अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त होगी?
(ग) क्या उसकी संतान उसके पद चिन्हों पर चलेगी?
जन्म 12.12.1940, समय 05:30 बजे स्थान 18उ.16 एवं 74पू.36,
जन्म में दशा शेष शुक्र : 2 वर्ष 11 माह 20 दिन, पुरुष जातक
लग्न-वृश्चिक 7:20, वृश्चिक-सूर्य 26:47, मेष-चंद्र 24:41, तुला-मंगल 21:02, वृश्चिक-बुध 10:32, मेष-बृहस्पति(व) 13:15, तुला-शुक्र 26:02, मेष-शनि(व) 15:35, कन्या-राहु 15:27, मीन-केतु 15:27
5. प्रश्न 3 में वर्णित जातक की सप्ताश कुण्डली का चित्रण करें तथा बतायें कि

क्या जातक की संताने उसकी व्यवसाय का अनुसरण करेंगे? फलित में सप्ताश की उपयोगिता का वर्णन करें।

भाग-II (मेदनीय ज्योतिष)

6. वर्ष 2011 (14 अप्रैल 2011, 1300 बजे, दिल्ली) के लिए चैत्र शुक्ल प्रतिपदा कुण्डली की रचना करें तथा भारत में संभावित घटनाओं की भविष्यवाणी करें।
7. कूर्म चक्र क्या है? मेदनीय फलित में इसकी उपयोगिता का वर्णन करें।
8. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
(क) रोहिणी वास (ख) मेदनीय फलित के आवश्यक नियम
(ग) संघट चक्र (घ) कीमती धातुओं के मूल्यों में उतार चढ़ाव
9. भूकम्प के ज्योतिषिय योग बताएं। अभी हाल ही में आए किसी भूकम्प का उदाहरण लेते हुए समझाएं।
10. निम्नलिखित के लिए उदाहरण सहित ज्योतिषीय तर्क दें :-
(क) रेल दुर्घटना
(ख) विमान दुर्घटना
(ग) अग्नि प्रकोप